सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 26

जुलाई-2022

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

चयनित आदर्श गाँव

> गाँव के विकास से भारत के विकास का मॉडल-यही उद्देश्य हमारे सामने है। हमारा विश्वास है - हम होंगे कामयाब।
>
> *- पद्मश्री जयप्रकाश*

नक्षत्र वाटिका हेतु भूमि पूजन

नांदियाकल्ला (राजस्थान)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान चला रहा है। जिसके अंतर्गत चयनित आदर्श गाँव नांदियाकल्ला में वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के तहत 6 वर्षों से वृक्षारोपण किया जा रहा है। **इस वर्ष गाँव में नक्षत्र वाटिका बनाने का कार्य पूज्य नागा बाबा लाल पुरी जी महाराज के सानिध्य में हवन पूजन के साथ शुरु किया गया।** इस अवसर पर डॉ. विवेक विजय (आईआईटी जोधपुर) ने कहा कि भारतीय जीवन पद्धति में राशियों का महत्त्वपूर्ण योगदान है। इनकी संख्या 12 है। इसके आधार पर व्यक्तियों के भविष्य का अनुमान लगाया जाता है। राशियों को 27 नक्षत्रों में बांटा गया है।

प्रत्येक नक्षत्र का प्रतिनिधि एक वृक्ष होता है। तुलसीराम पंचारिया (विभाग संयोजक पर्यावरण गतिविधि) ने कहा कि भारत के ऋषियों ने मनुष्य तथा सृष्टि के बीच तालमेल बिठाते हुए शोध किये। माह, नक्षत्र, दिन आदि को वैज्ञानिक पद्धति से आपस में जोड़कर शरीरिक, मानसिक, बौद्धिक विकास की कल्पना की गई। विकास के लिए सृष्टि के 5 मूलभूत तत्व मिट्टी, वायु, जल, अग्नि तथा आकाश के बीच सामंजस्य स्थापित होना चाहिए। श्री रुघाराम जी व सुनील कुमार सोनी जी के परिवार ने इन पेड़ों को नियमित पानी देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सरपंच जसवंत सिंह भाटी, भैरू लाल सोनी, रेवत सिंह गहलोत, राजेंद्र सिंह, गोपालचंद सैनी, सहित सैकड़ों ग्रामवासियों की सहभागिता रही।

अन्य कार्य

- महाकाल वाटिका में 21 औषधीय पौधे लगाये गये।
- दुर्गावती स्वयं सहायता समूह को 15000 रुपये रिवाल्विंग फंड दिलाया गया।
- हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसमें 25 भैया-बहनें उपस्थित रही।
- 45 परिवारों में 90 फलदार पौधे वितरित किये गये।
- 10 परिवारों ने पोषण वाटिका तैयार की।

DOCUMENTARY

Facebook

नि:शुल्क कोरोना बूस्टर डोज शिविर

गोल्लापुरम (हिन्दूपुर)

उत्तम स्वास्थ्य कार्यक्षमता में वृद्धि का आधार है। सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत पांच आयामों में से एक है स्वास्थ्य। जिसको ध्यान में रखते हुए हिंदूपुर क्षेत्र के गोल्लापुरम् इंडस्ट्रियल एरिया में सूर्या फाउण्डेशन और सूर्या रोशनी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क कोरोना बूस्टर डोज का शिविर लगाया गया। जिसमें हिंदूपुर जिला परिषद सरकारी चिकित्सा से डॉ. अरुंधती जी ने अपने सहयोगियों के साथ उपस्थित रहीं। शिविर का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया गया। इस शिविर में कोविड की दूसरी खुराक व बूस्टर डोज लगाया गया। यह शिविर सूर्या रोशनी लिमिटेड के प्रांगण में 3 दिनों तक चला। जिसमें सूर्या रोशनी के वर्कर्स व आसपास के लोगों ने बूस्टर डोज लगवायी। कुल 550 लोगों ने स्वास्थ लाभ लिया। इस अवसर पर सूर्या रोशनी लिमिटेड से प्लांट हेड श्री अखिलेश सिंह जी, व सीसीओ श्री मानिक पाटिल जी उपस्थित रहे।

अन्य कार्य

- 150 परिवारों में फलदार पौधे वितरित किए गये।
- 150 परिवारों ने पोषण वाटिका तैयार की।
- जल संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता हुई, जिसमें 18 बच्चों ने भाग लिया।

पर्यावरण संरक्षण कावड़ यात्रा

मूण्डला (मध्य प्रदेश)

श्रावण सोमवार के पावन अवसर पर इस माह 15 युवाओं की टोली ने कावड़ यात्रा निकाली। सभी युवा कांवड़ यात्रा के दौरान अपने साथ पौधे लेकर चल रहे थे और पर्यावरण का संदेश दे रहे थे। बाराखम्बा पहुंचकर युवाओं ने वहाँ के भोलेनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। तत्पश्चात् मंदिर परिसर में ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया। यात्रा से वापस आकर युवाओं ने गाँव के राम मंदिर में भी वृक्षारोपण कर सभी ग्रामवासियों को पर्यावरण बचाने हेतु अधिक से अधिक पौधारोपण करने हेतु आग्रह किया। युवाओं की इस पहल से प्रभावित होकर सरपंच श्री कैलाश पटेल जी ने ग्रामीणों के साथ मिलकर अंग वस्त्र भेंट करके युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

DOCUMENTARY

Facebook

इको ब्रिक्स बनाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नगलावर (मथुरा - उत्तर प्रदेश)

प्लास्टिक का दुरुपयोग जीवन के लिए कितना घातक है यह हम सब जानते हैं। अब सरकार भी प्लास्टिक को कम करने के लिए नियम बना रही है। लेकिन सरकारी नियमों के साथ-साथ ग्रामीणों की जागरुकता बहुत आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली नगला चन्द्रभान के निकट आदर्श गाँव नगलावर में पॉलिथीन एवं प्लास्टिक की बोतल से इको ब्रिक्स बनाकर पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य प्रारंभ किया गया। इसके लिए सूर्या संस्कार केंद्र की शिक्षिका बहन राधा एवं यूथ क्लब के शिक्षक भैया अनिल ने टीम के साथ घर-घर संपर्क किया तथा घरों में उपयोग के बाद इधर-उधर फेंकने वाली पॉलिथीन और प्लास्टिक की बोतलों से इको ब्रिक्स बनाने के बारे में बताया।

संस्कार केंद्र के बच्चों द्वारा जागरूकता रैली निकालकर यह बताया गया कि अगर हम पॉलिथीन मिट्टी में फेंकते हैं तो यह कई वर्षों तक नष्ट नहीं होती और हमारे फसलों के लिए नुकसानदायक होती है। अगर जलाते हैं तो वायु प्रदूषण बढ़ता है और कई प्रकार के घातक रोगों को जन्म देता है। ऐसे में हम इको ब्रिक्स बनाएं और उसका उपयोग घरों में या अन्य जगहों पर पेड़ पौधों के नीचे चबूतरा बनाकर उपयोग कर सकते हैं और पर्यावरण को बचा सकते हैं। सभी लोगों ने संकल्प किया कि आज के बाद हम सिंगल उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग नही करेंगे। यदि किसी कारण उपयोग में किया तो उसे बाहर न फेंककर इको ब्रिक्स बनाएंगे और पर्यावरण का संरक्षण करेंगे। अब तक 70 इको ब्रिक्स बच्चों ने बनाया है। जिसका उपयोग गाँव के मध्य स्थित मंदिर के प्रांगण में लगे पौधे का चबूतरा बनाने में किया जायेगा।

अन्य कार्य

- **30 बहनों को तुलसी का पौधा वितरित किया।**
- **गाँव के सभी घरों में तिरंगा वितरण किया।**

महिलाओं को सुपारी के पौधों का वितरण

आदर्श जोत (दार्जिलिंग - पश्चिम बंगाल)

भारत के पूर्वोत्तर राज्य पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में बसा गाँव आदर्श जोत जिसे पहले गंडोगल जोत के नाम से जाना जाता था। यहाँ सूर्या फाउण्डेशन द्वारा 2019 में बच्चों को उत्तम शिक्षा एवं संस्कार देने के लिए संस्कार केन्द्र शुरु किया गया साथ ही साथ युवाओं में गाँव के प्रति जागरुकता बढ़े इसके लिए यूथ क्लब भी शुरु किया गया। बच्चों व युवाओं के साथ गाँव की महिलाएं और सेवाभावी कार्यकर्ता भी जुड़ते गये। जिससे गाँव में सेवाकार्यों की गति बढ़ी और लोगों में जागरुकता भी बढ़ी। पिछले एक वर्ष से सम्पूर्ण भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। जिसके अंतर्गत ग्रामीणों के आर्थिक समृद्धि के लिए स्वयं सहायता समूह से जुड़ी **75 महिलाओं को सुपारी के पौधे वितरित किए गये।** महिलायें परिवार और समाज के उद्धार का आधार होती हैं, इसलिए इस अभियान मे महिलाओं को ही जोड़ा गया है। आने वाले समय मे इन पोधों से पैदा होने वाली सुपारी को मार्केट मे बेचकर परिवरों को आर्थिक सहायता मिलेगी। सूर्या फाउण्डेशन ग्रामीणों के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है। इस अवसर पर समाजसेवी घीयालाल जी तथा गणेश जी सहित गाँव की 75 महिलायें उपस्थित रहीं।

सरकारी याजनाओं का लाभ शिविर

हरदीडीह (गोरखपुर - उत्तर प्रदेश)

गोरखपुर के चयनित आदर्श गाँव हरदीडीह (कोठा) में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के तहत लाभार्थियों के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी हेतु शिविर लगाया गया। **शिविर में गाँव की 25 महिलाएँ उपास्थित रहीं।** गाँव के कार्यकर्ता पंकज भैया के सहयोग से वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन आदि लाभार्थियों की KYC की गयी। शिविर में सभी लोगों को अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गयी। क्षेत्र प्रमुख राजीव जी ने बताया कि ऐसे शिविर समय-समय पर गाँवों में लगाए जाते हैं। सूर्या फाउण्डेशन ग्रामीणों की सहायता से लोगों की समस्या को हल करने के लिए पूरी कोशिश करता है। शिविर के बाद हरियाली तीज के अवसर पर तीन सहजन के पौधे लगाए गये।

पोषण वाटिका अभियान

टुडीला (मध्य प्रदेश)

आज खेती में खर्च बढ़ने से किसानों की आय लगातार कम होती जा रही है। इसलिए किसानों को पारम्परिक खेती के साथ साथ आय के अन्य साधनों से जोड़ने का कार्य सूर्या फाउण्डेशन कार्य कर रही है। बाजार में मिल रही सब्जी रसायनिक खादों की सहायता से पैदा की जाती है। सब्जी के साथ रसायन हमारे शरीर में सीधा पहुँचकर नई-नई बीमारियों को जन्म दे रहा है। इस समस्या केवल एक ही समाधान है, जैविक पोषण वाटिका।

इसे अभियान के रूप में लेकर फाण्डेशन द्वारा टुडीला गाँव के 100 परिवारों को छः प्रकार के सब्जियों गाजर, मूली, पालक, भिण्डी, लौकी और चौलाई के बीज वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में ग्राम विकास समिति अध्यक्ष श्री तोरण सिंह जी, श्री अशोक सिंह जी (पूर्व सरपंच) के साथ अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी को पोषण वाटिका में रखने वाली सावधानियों तथा इसके लाभ के बारे में बताया गया, जिससे इस अभियान को 100 प्रतिशत सफल बनाया जा सके।

जैविक खेती अपनओ,
आप बचो,
अपनों को बचाओ।

अन्य कार्य

- गाँव में वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत 50 फलदार पौधे वितरित किये गए।
- सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया जिसमें गाँव के 35 लोग उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

बसई का मझरा (उत्तराखण्ड)

खेती और पशुपालन गाँव की पहचान है। ग्रामीणों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में पशुओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पशुपालन किसानों के लिए आय का साधन भी है। **स्वस्थ पशु-खुशहाल किसान** को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित आदर्श गाँव बसई में पशु चिकित्सा शिविर लगाकर 45 पशुपालकों के 63 पशुओं का उपचार किया गया। तथा पशुओं में होने वाले रोग खुरपका, मुँहपका, चेचक, गलघोंटू, लंगड़िया, निमोनिया, थनैला आदि रोगों के रोकथाम एवं ईलाज के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. नरेंद्र जी ने सभी पशुपालकों को यह बताया कि पशुओं का बीमारी का हमें सदा ध्यान देना चाहिए। बीमारी का लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सक से इलाज करना चाहिए। क्योंकि पशुओं के मनुष्यों की तरह बोल नहीं पाने के कारण रोग बढ़ता ही जाता है और कभी-कभी पशुओं की मृत्यु भी हो जाती है। डॉ. शेखर शर्मा जी ने बताया कि एक पशु के बीमार होने पर दूसरे पशुओं में भी हवा, पानी व चारे से बीमारियाँ फैल जाती हैं। समय-समय पर पशुओं का टीकाकरण करवाने से पशु निरोगी रहते हैं। पशु निरोग तो हम निरोग। यदि हम बीमार पशुओं के दूध का सेवन करते हैं तो हम भी बीमार पड़ सकते हैं। इस शिविर में पशुओं के आवास, चारा-पानी, रख-रखाव, आदि विषयों की विस्तृत जानकारी दी गयी।

अन्य कार्य

- हनुमान चालीसा पाठ में 40 लोगों ने भाग लिया।
- 50 महिलाओं को दो-दो फलदार पोधे वितरित किए गये।
- जल संरक्षण चित्रकला प्रतियोगिता मे 25 बच्चों ने भाग लिया।
- नशामुक्ति जागरुकता अभियान रैली तथा संकल्प पत्र हस्ताक्षर अभियान से गाँव के 200 लोगों को जोड़ा गया।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

नयागाँव (हरियाणा)

आज के बच्चे कल का भारत को आधार मानकर सूर्या फाउण्डेशन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कई सफल प्रयोग कर रहा है। बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना को बनाये रखने के लिए सबसे अधिक परिणामकारी उपाय है, उन्हें पुरस्कृत करना। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु आदर्श गाँव नयागांव में सूर्या फाउण्डेशन की प्रेरणा से 10वीं, 12वीं में अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को ग्राम संगठन की प्रधान श्रीमती प्रेमलता जी द्वारा पटका पहनाकर व शील्ड, मेडल देकर सम्मानित किया गया। मेधावियों में 12वीं की किरण-82%, दिया-78.4%, अन्नु-75.2% अंक प्राप्त किया तथा 10वीं में रूबी-81.9%, अंशु-77.2%, ईशा-75.8%, करुणा-71.4% अंक प्राप्त किया। इस मौके पर स्वयं सहायता समूह की 50 महिलाएँ तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अन्य कार्य

- चंद्रशेखर आजाद जयंती पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में 23 भैया- बहनों ने हिस्सा लिया।
- सूर्या यूथ क्लब एवं संस्कार केंद्र पर हनुमान चालीसा कराई गई थी।
- ग्राम संगठन की 50 महिलाओं ने पोषण वाटिका बनाई।

हरेली सहेली पर्व पर खेलकूद प्रतियोगिता

पेण्ड्री (छत्तीसगढ़)

भारत देश पर्वों एवं त्योहारों का देश है। सभी त्योहारों का अपना महत्व होता है। छत्तीसगढ़ राज्य में सामाजिक समरसता के प्रतीक स्वरूप हरेली तीज का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। हरेली पर्व के पावन अवसर पर आदर्श गाँव पेण्ड्री में हरेली-सहेली महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें गाँव की माताएं-बहनें तथा युवा साथियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती अनीता साहू (जनपद सदस्य डोंगरगढ़), श्री मिथिलेश सिन्हा (उप सरपंच पेण्ड्री) श्री समलिया साहू (जनपद प्रतिनिधि) श्री राम खिलावन साहू, आश्रम के महंत श्री सेवादास साहेब उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में विशेष खेल गेंड़ी दौड़ का आयोजन किया गया। सुई-धागा दौड़, नींबू चम्मच दौड़, मटका दौड़, रस्सी कूद, कबड्डी आदि खेल कराए गए। हरेली पर्व सही मायने में किसानों का त्यौहार है। खेती में इस्तेमाल होने वाले हल, बैल और तरह-तरह के यंत्रों की पूजा की गयी। यह कार्यक्रम सूर्या फाउण्डेशन, युवा शक्ति सेवा संगठन, राजीव युवा मितान क्लब, ग्राम पंचायत पेण्ड्री के तत्वावधान में आयोजित किया गया। यह पर्व आदर्श गाँव पेण्ड्री में विशेष उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

DOCUMENTARY

अन्य कार्य

- राजीव युवा मितान क्लब का गठन हुआ।
- महिला कमाण्डो का पुनर्गठन किया गया।
- शिव मंदिर जीर्णोद्धार हेतु शासन द्वारा ढाई लाख रुपए का बजट पास हुआ।
- 15 बहनों को कैरी बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।
- संस्कार केन्द्र पर त्रैमासिक परीक्षा कराई गयी।

ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण

कादीपरु (काशी - उत्तर प्रदेश)

आजादी के अमृत महोत्सव (75 वर्ष) में काशी क्षेत्र के वाराणसी जिले के आदर्श गाँव कादीपुर में सूर्या फाउण्डेशन एवं यू.एस.एस. फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में गाँव की 35 बहनों को फरवरी से जुलाई 2022 तक ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिया गया। वर्तमान समय में शादी-विवाह आदि कार्यक्रमों में इसका महत्व बढ़ता ही जा रहा है ऐसे में यह प्रशिक्षण बहनों के लिए एक सुनहरा अवसर है। प्रशिक्षण में सभी बहनों ने प्रैक्टिकल करके पूरे काम को समझा और सीखा।

नया हुनर सीखने वाली बहनों के मन में पूर्ण विश्वास है कि आगे चलकर अपनी खुद की ब्यूटी पार्लर की दुकान खोलेंगी। जिससे आने वाले दिनों में एक अच्छी आमदनी होगी। सभी बहनों को प्रशस्ति - पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यू.एस.एस. फाउण्डेशन के प्रबंधक श्री शशिकांत जी, सुमन गुप्ता जी तथा समूह की मातायें-बहने उपस्थित रहीं।

अन्य कार्य

- 2 बहनों एवं 2 भैयाओं को 10वीं व 12वीं में प्रथम स्थान आने पर सम्मानित किया गया।
- 25 किसान सम्मान निधि लाभार्थियों का KYC कराया गया।
- 5 वृद्धा पेशन लाभार्थियों का KYC कराया गया।
- गाँव में 300 फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे लगाये गये।

शिक्षा हमें अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाती है।

महिलाओं को दिया पानी जाँच करने का प्रशिक्षण

फफूँडा (मेरठ - उत्तर प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा देशभर के सैकड़ों गाँवों में जल सरंक्षण के लिए जागरुकता अभियान चलाये जा रहे हैं। जल संरक्षण के साथ-साथ उपलब्ध जल का परीक्षण भी आवश्यक है। क्योंकि जल में अनेकों प्रकार के विषाणु घुल गये हैं, जिनका सेवन करना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। सरकार भी इस विषय पर जागरुक है और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से पानी के परीक्षण का प्रशिक्षण भी करा रही है। नमामि गंगे परियोजना के तहत हर घर में नल से जल पहुँचाया जा रहा है। गाँव में सभी के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो इसकी जांच के लिए गाँव की 5 महिलाओं का चयन कर विकास खण्ड सभागार मेरठ में जल परीक्षण करने का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें एडीएम (नमामि गंगे) व Executive Engineer जल निगम ने महिलाओं हेतु 10 प्रकार के परीक्षण के बारे बताया। पानी में पाए जाने वाले क्लोराइड, फ्लोराइड, पीएच, आयरन, हार्डनेस, आदि की जाँच की जाती है और इनकी पानी में कितनी मात्रा है, इसकी गणना करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पानी मिले। इसके लिए पानी की जाँच साल में दो बार करना है। एक नल के पानी की जाँच करने पर महिलाओं को सरकार द्वारा 220 रुपये दिए जाएंगे। पानी की जाँच के बाद जागरुकता आयेगी ही साथ ही साथ गाँव की पाँच महिलाओं की आय भी बढ़ेगी।

अन्य कार्य

- दो नए स्वयं सहायता समूह के गठन हेतु 24 महिलाओं का चयन।
- 600 फलदार एवं छायादार पौधे वितरित किए गए।
- संस्कार केन्द्र एवं कम्प्यूटर सेंटर भैया-बहनों का मासिक परीक्षा करायी गयी।
- संस्कार केन्द्र पर महापुरुष चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई।
- हरियाली तीज पर पाँच सहजन के पौधे लगाए गए।
- जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत 15 नल (टुल्लू) लगाये गये।

प्रशिक्षण के दौरानपानी की जाँच करती महिलाएँ

DOCUMENTARY

Facebook

समाचार पत्रों में प्रकाशित

नया गांव में मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन द्वारा आदर्श गांव घोषित किए गए नया गांव में सूर्या फाउंडेशन द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं में अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। ग्राम संगठन की प्रधान प्रेमलता विद्यार्थियों को द्वारा पुरस्कार प्रदान किए। सूर्या फाउंडेशन से आए कंवल कुमार ने बताया कि बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए सूर्या फाउंडेशन द्वारा विभिन्न प्रकार के आयाम चलते रहते हैं। मंगलवार को नयागांव में 10वीं व 12वीं के छात्र छात्राओं को पटका व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 12वीं कक्षा किरण, दीया और अन्नु और 10वीं की रुबी, अंशु, ईशा व करुणा को पुरस्कार मिला। इस मौके पर स्वयं सहायता समूह की 50 महिलाएं भी मौजूद रहीं। संवाद

सूर्या फाउंडेशन द्वारा किया गया वृक्षारोपण

हमारा मैट्रो संवाददाता

गलगलिया, किशनगंज। सूर्या फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है जो लगातार समाजिक कार्य करती है जिससे की समाज के लोग लाभान्वित होते है।

आज इसी क्रम में सूर्या फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण के साथ सुपारी का पेड़ वितरित किया गया। सूर्या फाऊंडेशन के सोविन्दो बर्मन नें बताया आज भारत का आजादी का 75 वां वर्ष पूरा होने जा रहा है। इसलिए आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आदर्श जोत पानी टंकी में 75 सुपारी के पौधे वितरित किए गए।

श्री बर्मन नें बताया की सूर्या फाऊंडेशन के चेयरमैन जयप्रकाश अग्रवाल जी का सपना है की हमारा गांव के विकास से ही देश का विकास संभव है। सुपारी के पेड़ मिलने से स्थानीय महिलाएं काफी खुश दिखी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सूर्या फाउंडेशन से विनोद कुमार, सोबिंदो बर्मन, बिनोद छेत्री, घीयालाल गणेश तथा आदर्श जोत की महिलाएं उपस्थित थी।

सूर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत हर घर पोषण वाटिका कार्यक्रम में बरेठा , तुड़ीला ,छरेठा गांव, में 200 परिवार में 6 प्रकार के सब्जी के बीज वितरण किया गया

अमित शर्मा पुष्पांजली टुडे

छरेठा गांव के उद्घाटन कार्यक्रम में पूर्व कृषि विस्तारक अधिकारी गोहद श्री कमलेश शर्मा जी ने बताया जब हमारा घर स्वस्थ होगा तो देश समाज सभी स्वस्थ्य होंगे। देश को स्वस्थ्य बनाने के लिए अपना आहार स्वस्थ होना चाहिए। कृषि में हो रहे अंधाधुंध खाद का प्रयोग से स्वस्थ्य में बुरा प्रभाव पड़ रहा जिस से अनेकों बीमारियों ने जन्म लिया है। सूर्या फाउंडेशन के द्वारा यह सामाजिक सेवा गांव के परिवर्तन में एक बड़ा कदम सिद्ध होगा । भारत का हर घर स्वावलंबी था हमने अपने वैभव को भूल गए है एक छोटी सी शुरुआत से पुनः अपने को वापस लाना है । हरी ताजी सब्जी से अपने आप को स्वस्थ्य रखने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत सिंह ,विशिष्ट अतिथि,श्री शेखर शर्मा जी एच आर हेड सूर्या रोशनी ग्वालियर , संजय कुशवाहा , वेलफेयर ऑफिसर सूर्या रोशनी लिमिटेड मालनपुर ,क्षेत्र प्रमुख श्री शिव कुमार राजवाड़े एवं श्री शेखर शर्मा जी के द्वारा गांव बरेठा में वृक्षारोपण किया एव निःशुल्क फल दार पौधे वितरण किये गए कार्यक्रम में पोषण वाटिका समिति के अध्यक्ष श्री तोरन सिंह राणा , सूर्या फाउंडेशन से अशोक कुमार , महेंद्र सिंह तोमर ,महेश राजावत, ब्रजपाल तोमर , सोनू राजपूत ,बलबीर बघेल अशोक सिंह राणा एवं गांवो के वरिष्ठ जन उपस्थित रहे